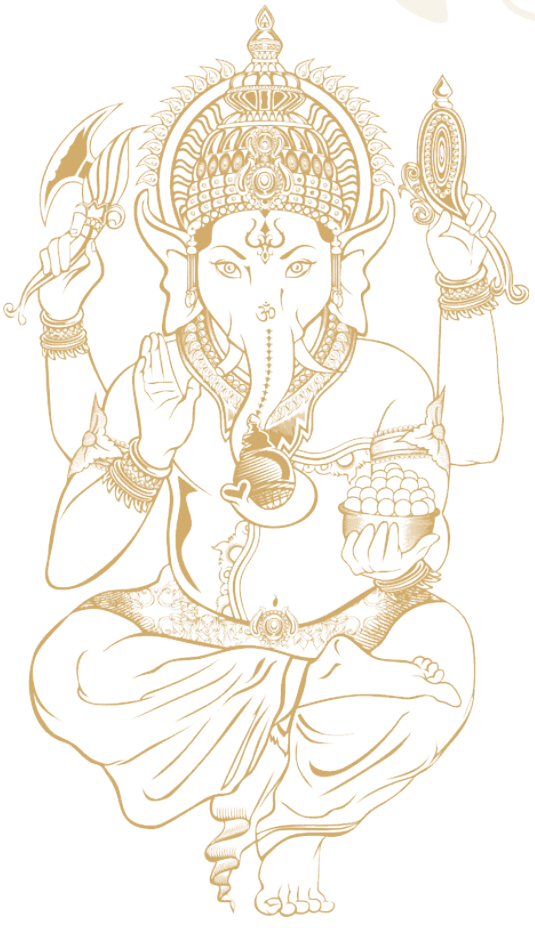

Ajay

Bhagyashree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121947402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/09/1989	जन्म तिथि	08/11/1994
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:25:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 37:47:17	जन्म समय(घटी)	04:42:54 घटी
India	देश	India
Dhullia	स्थान	Jalgaon
20:53:00 उत्तर	अक्षांश	21:01:00 उत्तर
74:50:00 पूर्व	रेखांश	75:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:40	स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:05	सूर्योदय	06:33:45
18:32:42	सूर्यास्त	17:48:30
23:42:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 0वर्ष 2मा 13दि		24:44:12	मेष	लग्न	वृश्चि	16:37:00	शुक्र 2वर्ष 10मा 22दि	
शुक्र		00:02:23	कन्या	सूर्य	तुला	21:41:20	राहु	
30/11/2013		16:31:27	मीन	चंद्र	धनु	24:44:15	29/09/2020	
30/11/2033		04:22:52	कन्या	मंगल	कर्क	23:57:20	30/09/2038	
शुक्र	31/03/2017	15:35:14	कन्या व	बुध	तुला	03:09:44	राहु	13/06/2023
सूर्य	31/03/2018	14:22:16	मिथु	गुरु	तुला	29:18:12	गुरु	05/11/2025
चन्द्र	30/11/2019	11:06:37	तुला	शुक्र व	तुला	13:27:45	शनि	11/09/2028
मंगल	29/01/2021	13:36:31	धनु	शनि व	कुंभ	11:53:33	बुध	01/04/2031
राहु	30/01/2024	01:53:50	कुंभ व	राहु व	तुला	21:00:43	केतु	18/04/2032
गुरु	30/09/2026	01:53:50	सिंह व	केतु व	मेष	21:00:43	शुक्र	19/04/2035
शनि	30/11/2029	07:38:23	धनु	हर्ष	धनु	29:10:41	सूर्य	13/03/2036
बुध	30/09/2032	15:53:55	धनु व	नेप	धनु	27:09:07	चन्द्र	11/09/2037
केतु	30/11/2033	19:29:56	तुला	प्लूटो	वृश्चि	03:41:22	मंगल	30/09/2038

लग्न-चलित

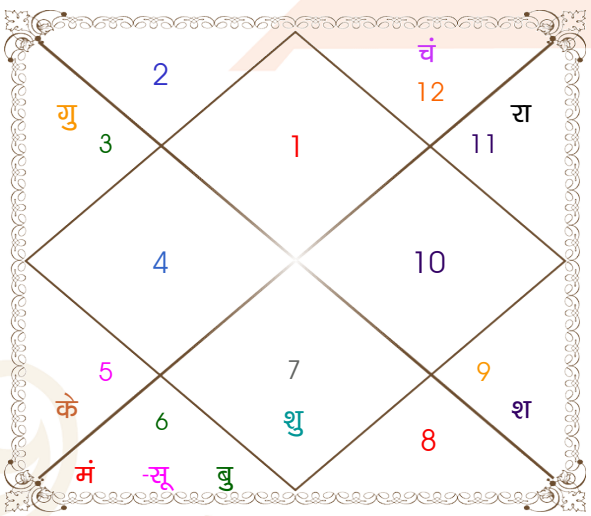

लग्न-चलित

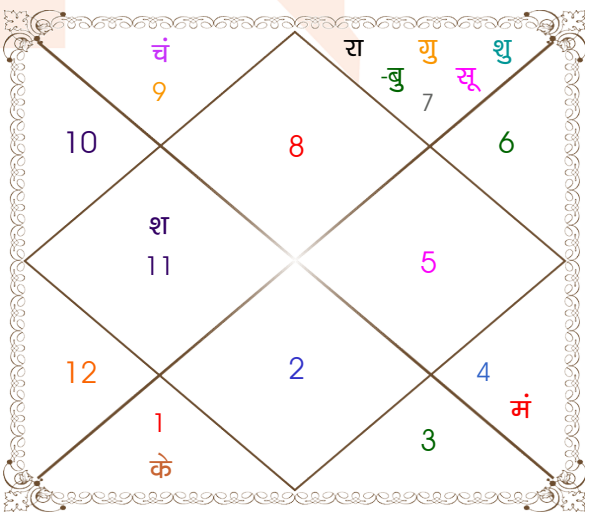

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

।रंल का वर्ग सिंह है तथा ठींहलींतमम का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार ।रंल और ठींहलींतमम का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।रंल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ठींहलींतमम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

।रंल तथा ठींहलींतमम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।